Mentorship Program
Mukherjee Nagar

दृष्टि The Vision

drishti

GENERAL STUDIES (Test–8)

निर्धारित समय: तीन घंटे *Time allowed: Three Hours*	DTVF/24 (D-A)–M–**GSM (M-I)-2408**	अधिकतम अंक: 250 *Maximum Marks: 250*

Name: Ritik Arya **Mobile Number:**

Medium (English/Hindi): HINDI **Reg. Number:** 3094

Center & Date: Mukherjee Nagar & 24/07/2024 **UPSC Roll No. *(If allotted)*:** 0808386

प्रश्न-पत्र के लिये विशिष्ट अनुदेश

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

*इसमें **बीस** प्रश्न हैं तथा **हिन्दी** और **अंग्रेज़ी** दोनों में छपे हैं।*

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने दिये गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहियें जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिये। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिये।

प्रश्न-सह-उत्तर-पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

*There are **TWENTY** questions printed both in **HINDI** and **ENGLISH.***

All the questions are compulsory.

The number of marks carried by a question is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

केवल मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा भरा जाए (To be filled by Evaluator only)

Question Number	Marks	Question Number	Marks
1.		11.	
2.		12.	
3.		13.	
4.		14.	
5.		15.	
6.		16.	
7.		17.	
8.		18.	
9.		19.	
10.		20.	
Grand Total (सकल योग)			

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

1. प्रथम विश्व युद्ध की समवर्ती घटनाएँ इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष का मूल कारण कैसे है व्याख्या कीजिये। (150 शब्द) 10

Explain how the Israel-Palestine conflict traces its origins back to events surrounding the First World War. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रथम विश्वयुद्ध के समय ब्रिटेन की तुष्टीकरण की नीति ने इजरायल फिलिस्तीन संघर्ष को जन्म दिया।

बाल्फोर उद्घोषणा →

ब्रिटेन ने 1917 में इस घोषणा के माध्यम से कहा कि प्रथम विश्वयुद्ध बाद इजरायल को अर्थात यहूदियों को एक राष्ट्र दिया जाएगा। यहूदियों का समर्थन चाहिए था इसलिए ब्रिटेन ने यह घोषणा की।

विल्सन की 14 सूत्रीय घोषणा

विल्सन ने अल्पसंख्यक राष्ट्रों

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

को स्वतंत्र राष्ट्र बनाने की सहमति दी थी। इससे फिलिस्तीन व यहूदियों दोनों मे नए राष्ट्र की मांग तेज हो रही थी। फिलिस्तीनी तो पहले से वहाँ थे परंतु यहूदियों के आने के कारण यह संघर्ष के रूप मे बद गया।

<u>लीग आफ नेशन्स की विफलता</u>

यह संघर्ष को शांत न कर सकी।

अत: बाल्कन समस्या से शुरू हुआ प्रथम विश्वयुद्ध इजरायल फिलिस्तीन संघर्ष के विवाद को जन्म देता है जो आज तक अनसुलझा हुआ है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

2. भक्ति आंदोलन ने तत्कालीन भारतीय समाज में व्याप्त जातिगत और लैंगिक मानदंडों को किस सीमा तक चुनौती दी? परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

To what extent did the Bhakti movement challenge existing caste and gender norms in Indian society? Examine. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भक्ति आंदोलन एक सामाजिक व धार्मिक आंदोलन था जिसने जातिगत व लैंगिक विभेदों को खत्म करने के लिए कार्य किया —

- कबीर व रैदास जैसे विचारक निम्न जाति से आते थे तो इन्होंने धर्म में जाति के मार्ग को खत्म किया।
- गुरु नानक ने सबकी समानता पर बल दिया।
- मीराबाई ने लैंगिक विभेद को क्षीण किया।
- इन्होंने जाति बंधनों को तोड़ा और ईश्वर को भक्ति मार्ग से

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पाने का रास्ता दिखाकर कर्मकाण्ड की आलोचना की।

- सूफी आंदोलन ने मुस्लिमो मे समानता का पाठ पढ़ाया व कट्टरता को क्षीण किया।

इनकी सीमा

- ये लोग जाति व लैंगिक बंधनो पर चोट तो करते है परंतु वैकल्पिक मार्ग प्रदान नही करते

- इनका प्रभाव क्षेत्र विशेष मे होता तो ऐसे मे जाति व लैंगिक भेदभाव जो लंबे समय से चला आ रहा था तथा धर्म ग्रंथो का सहारा था उसे खत्म नही कर सके।

अतः फिर भी भक्ति आंदोलन एक सामाजिक सुधार आंदोलन सिद्ध हुआ।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

3. अफ्रीका का विभाजन क्या है? अफ्रीका में उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया कैसे शुरू हुई?(150 शब्द) 10

What is Scramble of Africa? How did the process of decolonization unfold in Africa? (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अफ्रीका संसाधनों से परिपूर्ण महाद्वीप था। साम्राज्यवाद व औद्योगिकरण ने इस पर यूरोपीय राष्ट्रों के महत्वाकांक्षाओं को बढ़ा दिया।

अफ्रीका ~~वियना~~ बर्लिन कांग्रेस →

बिस्मार्क नहीं चाहता था कि यूरोप मे शक्ति संतुलन बिगड़े। इसलिए वह यूरोपीय शक्तियों मे युद्ध को रोकने के लिए एक सभा बुलाकर अफ्रीका का विभाजन कर देता है - ↓

मिस्र, केन्या, साउथ अफ्रीका → ब्रिटेन

अल्जीरिया → इटली

उ० प० अफ्रीका → फ्रांस

कांगो → बेल्जियम आदि।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

वि-उपनिवेशीकरण की प्रक्रिया शुरू

- अटलांटिक चार्टर में (1940's) रूजवेल्ट ने उपनिवेशों को आजाद करने की बात कही।
- द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद UN की स्थापना और इसमें राष्ट्रों को स्वतंत्र करने की बात
- भारत जैसे देश जब आजाद हुए तो घाना में क्रूमा जैसे नेता आए और स्वतंत्रता की मांग
- केन्या में संघर्ष रक्तपूर्ण क्योंकि ब्रिटेन छोड़ना नहीं चाहते थे फिर अततः केन्या भी स्वतंत्र (1960's)

अतः अफ्रीका विउपनिवेशीकरण की प्रक्रिया जहाँ ग. प. में शांति से तो कहीं केन्या, मिस्र में संघर्ष से हुई।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

4. सेंगोल स्थापना के सांस्कृतिक महत्त्व पर विशेष ज़ोर देते हुए, परीक्षण कीजिये कि किस प्रकार नया संसद भवन भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं का प्रतिनिधित्व करता है। (150 शब्द) 10

Examine how the new parliament building embodies various aspects of Indian culture, with a keen focus on the cultural significance associated with the installation of the Sengol. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

संगोल तमिलनाडु के राजनीति अर्थात दण्डनीति का प्रतीक है। जिसकी स्थापना नए संसद मे सत्ता के शांतिपूर्ण हस्तांतरण के रूप मे हुई है।

सांस्कृतिक महत्व →

- संगम संस्कृति का प्रतिनिधित्व
- सत्ता का शांतिपूर्ण हस्तांतरण
- गणतंत्र की स्थापना
- तमिल संस्कृति का महत्व
- राजनीति अर्थात राजा या प्रधानमंत्री का कर्तव्य है वह प्रजा कल्याण करें।
- निरंकुश शासन की मनाही

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

नया संसद भवन व भारतीय संस्कृति

- इसके द्वारों पर भारतीय संस्कृति का वर्णन। (द्वारों के नाम नदियों पर)
- ऊपर सारनाथ के सिंहों की स्थापना
- अंदर अखण्ड भारत अर्थात जम्बूद्वीप का चित्र
- एक पेण्डुलम को टांगा गया है जो लगातार चल रहे समय को बताता है।
- लोकसभा में मोर का निर्माण स्थापत्य में। यह भारतीय संस्कृति का प्रतीक।

अतः ~~भवन~~ संसद भवन प्राचीन संस्कृति के साथ भारतीय संविधान की आधुनिकता का सम्मिश्रण है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

5. 1929 की महामंदी के बहुमुखी प्रभाव का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (150 शब्द) 10

Elaborate on the multifaceted impact of the Great Depression of 1929. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

पूंजीवाद की यह विसंगति है कि एक समय बाद उसमे मंदी आती है। 1929 की महामंदी उसका ही परिणाम थी।

बहुमुखी प्रभाव

- आर्थिक क्षेत्र में → दुनिया में वस्तुओं की मांग की कमी तथा दुनिया की अर्थव्यवस्थाऐ रुक गयी। फिर कीन्स अर्थशास्त्र व न्यू डील नीति का विशेष महत्व।

- विचारधारा में → पूंजीवाद के संकट के कारण साम्यवाद का विस्तार। सोवियत रूस मंदी से अप्रभावित रहा इसलिए उसका प्रभाव बढ़ा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- राजनीति में →

फासीवाद व नाजीवाद का प्रभाव। चूँकि इन्होंने कल्याणकारी राज्य के नाम पर अपना प्रभाव बढ़ाया

- कल्याणकारी राज्य की स्थापना पर बल → राज्यों ने कई कल्याणकारी योजनाएँ बनायी। अर्थव्यवस्था पर सरकार ने अपना नियंत्रण किया।

अतः विश्व आर्थिक मंदी ने पूंजीवाद के संकट को उजागर कर दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

6. भारतीय विरासत और संस्कृति में गुप्त काल के योगदान पर प्रकाश डालिये। (150 शब्द) 10

Highlight the contribution of Gupta Period to Indian heritage and culture. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

गुप्तकाल (300 AD – 600 AD) के बीच भारतीय संस्कृति का सुनहरा समय था।

मंदिर कला →
नागर शैली का विकास
↳ दशावतार मंदिर

मूर्तिकला →
गुप्त कला का विकास — गांधार, मथुरा
दोनों का मिश्रण

धर्म → हिन्दू धर्म व बौद्ध धर्म
महाभारत, रामायण की रचना
याज्ञवल्क्य स्मृति का निर्माण

साहित्य →
कालिदास — रघुवंशम, कुमारसंभवम्, मेघदूतम्

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भाषा

संस्कृत का प्रभाव बढ़ा

गुफा →

अजंता, एलोरा का विकास

सिक्के →

स्वर्ण सिक्को की बहोत्तरी

शिक्षा →

कुमारगुप्त नालंदा की स्थापना

अतः गुप्तकाल संस्कृति और विरासत मे आज तक अपना प्रभाव बनाए हुए है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

7. औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी भावना को प्रोत्साहित करने में राजा रवि वर्मा की चित्रकला के प्रभाव का परीक्षण कीजिये। (150 शब्द) 10

Examine the impact of Raja Ravi Varma's paintings on fostering nationalist sentiment during colonial India. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

राजा रवि वर्मा आधुनिक काल के ~~चित्रकाल~~ चित्रकार है। इन्होने Oil Painting का निर्माण किया।

प्रभाव → राष्ट्रवादी भावना के

- इन्होने भगवान के चित्र का निर्माण किया जैसे माँ सीता का अपहरण करता रावण। इससे सांस्कृति राष्ट्रवाद को जाग्रत किया।
- इनके पोर्ट्रेट चित्रो ने आगे अबीन्द्र नाथ टैगोर को भारत माँ के चित्रण के लिए प्रेरित किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- राजा रवि वर्मा ने ब्रिटिश/पाश्चात्य पेंटिंग के महत्व को चुनौती देकर देशी ज्ञान के महत्व पर बल।

अत: भारत माँ के चित्र निर्माण में इनकी कला का प्रोत्साहन और फिर अनेक स्वदेशी चित्रों का निर्माण।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

8. चीन में बॉक्सर विद्रोह में योगदान देने वाले कारकों और प्रभाव का विश्लेषण कीजिये। (150 शब्द) 10

Analyze the factors and impact contributing to the Boxer Rebellion in China.

(150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

कारक →

- अफीम युद्ध
- ब्रिटेन का बढ़ता प्रभाव
- लोगो मे तनाव व संघर्ष
- कच्चे संसाधनो का लगातार दुरुपयोग उपनिवेशी शक्तियों द्वारा

प्रभाव →

- चीन उपनिवेशवाद का शिकार
- चीन पर जापान व अन्य शक्तियों का अत्याचार
- 1912 की सांस्कृतिक क्रांति का मार्ग

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।

(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

9. चोल वास्तुशिल्प मंदिर स्थापत्य कला की प्रगति में एक शिखर का प्रतीक है। टिप्पणी कीजिये। (150 शब्द) 10

The Chola architecture signifies a pinnacle in the progression of temple architecture. Comment. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

चोल शासकों के वृहदेश्वर मंदिर और गंगैकोंडचोलपुरम मंदिर अपने द्रविड़ शैली के विकास के शिखर पर विराजमान है।

- वृहदेश्वर मंदिर का निर्माण राजराज I ने किया। इन्होंने 196 फीट ऊँचाई पर 80 टन वजनी स्तूपिका को रखवाया जो अपने आप में आश्चर्यचकित है।
- गोपुरम का निर्माण।
- इतने ऊँचे शिखरों का निर्माण राजा की सामंतों पर विजयों का प्रतीक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- द्रविड़ शैली को पूर्ण करने मे चोलो का योगदान

- गोपुरम पर सामाजिक-आर्थिक जीवन के चित्र

अतः चोल स्थापत्यकला मंदिरकला ने आगे विजयनगर शैली को मार्ग प्रदान किया। तथा चोलों के बारे मे कहा जाता है " इन्होने राक्षसो की तरह सोचा और जौहरियों की तरह तराशा।"

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

10. 19वीं सदी के अंत में जापान के बढ़ते साम्राज्यवाद के कारणों और परिणामों का परीक्षण कीजिये।

(150 शब्द) 10

Examine the reasons and consequences of Japan's increasing imperialism towards the conclusion of the 19th century. (150 words) 10

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जापन मे होता औद्योगीकरण उसके साम्राज्यवाद का एक कार्ण था महत्वपूर्ण कारण उसका दुनिया मे सबसे महत्वपूर्ण शक्ति बनना था।

कारण →

- औद्योगीकरण
- जापन को कच्चे माल के लिए साम्राज्यवाद की चाह
- बाजार की जरूरत अपने निर्मित माल के लिए
- उसकी विश्व विजय की आकांक्षा
- रूस को 1905 मे पराजित करना

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परिणाम →

- चीन कोरिया का अत्यधिक शोषण
- द्वितीय विश्वयुद्ध का कारण
- प्रथम-परमाणु हिरोशिमा नागासाकी संकट
- अमेरिका से टकराव व रूस से भी।

अतः जापान की साम्राज्यवाद की चाह ने दुनिया को दो-2 युद्धों में धकेल दिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

11. फ्राँसीसी क्रांति की शुरुआत में योगदान देने वाले कारकों का परीक्षण कीजिये और इसके ऐतिहासिक महत्त्व का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

Examine the factors that contributed to the onset of the French Revolution and elaborate on its historical significance. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

अमेरिकी क्रांति के पश्चात फ्रांसीसी क्रांति (1789) ने स्वतंत्रता-समानता-बंधुत्व के आदर्श के साथ पूरे यूरोप तथा दुनिया मे जनक्रांति का रास्ता अख्तियार कर दिया।

फ्रांसीसी क्रांति के कारक

- राजनीतिक :- लुई 14 वां ने निरंकुश शासन की नींव डाली फिर लुई 16वाँ तक यह शासन आते-2 ढीला पड़ने लगा। राजा ने पहले स्टेट जनरल की बैठक बुलाई और फिर उसे भंग कर दिया।
- सामाजिक :- फ्रांस का समाज तीन वर्गों मे बंटा था
  - प्रथम स्टेट :- पादरी व चर्च वर्ग
  - द्वितीय स्टेट :- कुलीन या सामंत
  - तृतीय स्टेट :- मध्यम वर्ग व शिल्पकार किसान

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

पादरी व कुलीनो को कर नहीं देना था बल्कि उन्हे खुद कर लगाने का अधिकार था। मध्यम वर्ग की आर्थिक स्थिति तो ठीक थी परंतु उन्हें सामाजिक नीचा स्थान था तो उनकी महत्वाकांक्षा बढ़ रही थी।

• आर्थिक → लगातार युद्ध लड़ने के कारण फ्रांस की आर्थिक स्थिति बुरी होती जा रही थी और वर्साय महल का अंधाधुंध खर्चा करना जहाँ आम नागरिकों को एक वक्त का ब्रेड न मिल रहा हो। कर का बोझ भी तृतीय स्टेट पर था सारा।

• तात्कालिक कारण → राजा ने स्टेट जनरल्स की बैठक भंग कर दी और फिर निम्न व मध्यम वर्ग ने टेनिस कोर्ट मे राष्ट्रीय सभा की स्थापना की।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिख चाहिये।
(Candidate must no write on this margi

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- (वैचारिक कारक) → वाल्टेयर, रूसो जैसे विचारकों ने स्वतंत्रता, समानता का आदर्श फैलाया
- अमेरिकी क्रांति का प्रभाव
- प्रबोधन का प्रभाव

ऐतिहासिक महत्व →

- स्वतंत्रता - समानता - बंधुत्व के आदर्श का पूरी दुनिया में प्रसार
- आगे यूरोप में जैसे इटली और जर्मनी में एकीकरण का मार्ग
- निम्न वर्ग का आधिपत्य (जैकोबियन) ने समाजवाद का बीज बोया
- सीमित राजतंत्र का विचार
- आगे फ्रांस की क्रांति ने भारत जैसे राष्ट्रों के उपनिवेश युद्ध में सहायता

अतः फ्रांस की क्रांति विश्व इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुई। जिसने आगे सीमित शासन और जनसंप्रभुता का विचार लोकप्रिय कर दिया

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

12. हिंदुस्तानी और कर्नाटक संगीत परंपराओं में क्या भिन्नताएँ हैं और ये भिन्नताएँ किस प्रकार दोनों की प्रदर्शन शैलियों को प्रभावित करती हैं? (250 शब्द) 15

What are the key characteristics that differentiate Hindustani and Carnatic music traditions, and how do they influence the performance styles in each? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

भारत मे संगीत का विकास शिव जी के ताण्डव नृत्य व भरतमुनि के योगदान से माना जाता है। भारत मे 6 रागो का वर्णन किया गया है।

हिन्दुस्तानी और कर्नाटक संगीत मे भिन्नताए →

[उद्भव] → हिन्दुस्तानी संगीत का उद्भव प्राचीन वैदिक युग से माना जाता है जबकि कर्नाटक का संगम युग व उसके बाद मुख्यत: मध्य युग कन्नड़ साहित्य व कर्नाटक क्षेत्र से माना जाता

[क्षेत्र/प्रभाव] → हिन्दुस्तानी उत्तर भारत व पश्चिम भारत जैसे उ०प्र०, म०प्र० राजस्थान, गुजरात आदि क्षेत्रो मे

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रभावशाली है जबकि कर्नाटक दक्षिण भारत जैसे कर्नाटक, तमिलनाडु, आन्ध्रा तथा केरल मे प्रमुख है।

(भाषा) :- हिन्दुस्तानी → ब्रज, अवधी, उर्दू
कर्नाटक → कन्नड़, तेलुगू

(प्रकार) :- हिन्दुस्तानी की सब स्टाइल भी है
→ ध्रुपद
→ टप्पा
→ ख्याल
→ गज़ल

जबकि कर्नाटक के सब स्टाइल नही है सिर्फ वर्णन या कम्पोनेंट ही अलग है।
जैसे इसमे कीर्ति आदि का जिक्र।

(वाद्ययंत्र) :- हिन्दुस्तानी
→ तबला
→ संतूर
→ बाँसुरी
→ शहनाई

कर्नाटक → ऐसा कोई विशेष वाद्ययंत्र नही।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

भिन्नताएँ प्रदर्शन शैलियों को प्रभावित

• चूँकि हिन्दुस्तानी मे वाद्य यंत्रो का उपयोग होता है तो हिन्दुस्तानी मे कण्ठ आवाज अर्थात् संगीत को ज्यादा महत्व दिया गया है जिसकी। जबकि कर्नाटक मे वाद्ययंत्र और आवाज को बराबर महत्व

• हिन्दुस्तानी शैली मे घराने जैसे- ग्वालियर, आगरा, पटियाला है जबकि कर्नाटक मे नही है। क्योंकि हिन्दुस्तानी को अवध के नवाब, ग्वालियर के तोमर वंश का संरक्षण मिला

• हिन्दुस्तानी पर प्रभाव पारसी संस्कृति का भी है तो इसमे रहस्यवाद, सूफीवाद प्रेम का सम्मिलन है जबकि कर्नाटक मे देशी तत्व के साथ कृष्ण, वैष्णव संप्रदाय का महत्व है

अतः हिन्दुस्तानी और कर्नाटक दोनो शैलियाँ आज तक अपनी जीवंतता को बनाए रखे है

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

13. द्वितीय विश्व युद्ध की समाप्ति ने विश्व की वैश्विक राजनीतिक व्यवस्था को किस प्रकार प्रभावित किया? (250 शब्द) 15

How did the end of World War II impact the global political order of the world? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जर्मनी व जापान आक्रमण से द्वितीय विश्वयुद्ध की शुरुआत हुई फिर अमेरिका द्वारा हिरोशिमा व नागासाकी पर परमाणु बम के प्रयोग द्वारा द्वितीय विश्वयुद्ध खत्म हुआ। इस प्रकार अमेरिका विश्वशक्ति बनकर उभरा।

वैश्विक राजनैतिक व्यवस्था पर प्रभाव

- कोल्ड वार की शुरुआत → एक तरफ अमेरिकी गुट पूंजीवाद का नेतृत्व कर रहा था तो दूसरी तरफ यूएसएसआर समाजवादी गुट (साम्यवादी) का।
- नव उपनिवेशवाद की नींव → नवीन आर्थिक व्यवस्थाओं (यथा वर्ल्ड बैंक आइएमएफ आदि) द्वारा नवीन

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

स्वतंत्र राष्ट्रों (यथा मिस्र, वियतनाम, श्रीलंका, अफ्रीकी देश) की राजनीति को अपने पक्ष में करना।

- परमाणु बमों को बनाने की प्रतिस्पर्धा
  - → अमेरिका
  - → रूस
  - → ब्रिटेन
  - → फ्रांस
  - → चीन

  } क्रम से परमाणु बमों का निर्माण

तथा अन्य राष्ट्रों में दौड़ यथा भारत, चीन, इजरायल, ईरान आदि।

- नाटो व वारसा की स्थापना

अमेरिका ने ब्रिटेन व फ्रांस के साथ मिलकर नाटो की स्थापना (1949 में) तथा सोवियत संघ ने पूर्वी यूरोप के देश (यूक्रेन, युगोस्लाविया) के साथ वारसा पैक्ट (1955)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- गुटनिरपेक्षता → भारत, मिस्र, इण्डोनेशिया जैसे देश किसी भी गुट में शामिल न होकर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का क्रियान्वयन।

- अमेरिका का एक महाशक्ति बनकर उभरना तथा ब्रिटेन का प्रभाव खत्म। दूसरी ओर सोवियत संघ अमेरिका को चुनौती देता। एकध्रुवीय विश्व की लड़ाई।

- उपनिवेशवाद स्वतंत्रता की मांग और तीव्र → यूएन बनने के बाद तथा अटलांटिक चार्टर लागू होने के बाद तृतीय विश्व के देशों में मांग

- इजरायल व मध्य एशिया का संकट

अतः द्वितीय विश्वयुद्ध इतिहास व राजनीति दोनों की दिशा बदल दी। फिर कोल्ड वार में क्यूबा मिसाइल संकट के बाद लगा दुनिया तृतीय विश्वयुद्ध देखेगी परंतु 1990 में सोवियत संघ का विघटन हो गया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

14. भारतीय उपमहाद्वीप के साहित्यिक और आध्यात्मिक परिदृश्य को आकार देने में रूमी, बुल्ले शाह और कबीर जैसे प्रमुख सूफी कवियों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of prominent Sufi poets like Rumi, Bulleh Shah, and Kabir in shaping the literary and spiritual landscape of the subcontinent. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

भारत मे भकित आंदोलन जहाँ नयनार, अलवार संतो से शुरु हुआ शंकराचार्य, रामानुजाचार्य इसे उत्तर की तरफ लाये तो यह आगे सूफी आंदोलन मध्य काल के भक्ति आंदोलन मे परिवर्तित हो गया।

ऐसे मे रुमी, बुल्लेशाह और कबीर की भकित आडम्बर मुक्त व सादा थी।

साहित्यिक परिदृश्य को आकार देने मे भूमिका →

- कबीर ने बीजक की रचना की उनकी साखी सबद रमैणी उनको विचारों का संकलन है। कबीर ने अवधी भाषा का प्रयोग किया है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

- रैदास ने भक्ति को निम्न वर्ग मे फैलाकर उनकी भाषा के अनुरूप साहित्य की रचना की।

- चिश्ती सम्प्रदाय औलिया जैसे संतो ने उर्दू के विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।
बुल्लेशाह, रूमी ने पारसी भाषा व उर्दू का प्रयोग कर हिन्दवी का संवर्द्धन किया।

आध्यात्मिक परिदृश्य मे

- निर्गुण भक्ति मे कबीर का स्थान उच्च रूप मे लिया जाता है। उन्होंने निराकार भगवान की आराधना की। उन्होंने भक्ति को ही श्रेष्ठ मार्ग बताया व कर्मकाण्ड, मूर्तिपूजा का विरोध किया। उनके प्रसिद्ध कथन जैसे (i) कांकड़ पाथर जोड़ कर मस्जिद....
(ii) पाथर पूजे हरि मिले ....

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[illegible] चाहिये।
(Candidate must n[illegible] write on this marg[illegible])

- इन्होने संस्कृत के महत्व को नकार दिया तथा आम जनमानस की भाषा मे भक्ति का मार्ग दिखाया।
- सूफी कवियो ने प्रेम व रहस्य के तत्व को अल्लाह से जोड़ दिया। इन्होने अपने को एक प्रेमी की तरह दिखाया है।
- आत्मा और परमात्मा के मिलन मे आने वाले अज्ञान के पर्दे को हटाकर भक्ति व प्रेम के द्वारा मिलन का मार्ग दिखाया।

अतः रूमी और कबीर जैसे सूफी कवियो ने समाज के हर वर्ग को भक्ति का मार्ग दिखाकर आम जनमानस की भाषा मे साहित्य व भक्ति के मार्ग का ~~आध्यात्म~~ निर्माण किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

15. प्रारंभिक वैदिक काल से उत्तर वैदिक काल तक महिलाओं की भूमिका और स्थिति कैसे विकसित हुई? (250 शब्द) 15

How did the role and status of women evolve from the early Vedic period to the later Vedic period? (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

प्रारंभिक वैदिक काल (1500-1000 BC) अर्द्धघुमक्कड़ जीवन जीता था तथा उ. वैदिक काल (1000 BC के बाद) स्थायी जीवन जीने व कृषि को महत्वपूर्ण पेशा मानने लगा। इन सबका प्रभाव महिलाओं की स्थिति पर पड़ा।

वैदिक काल में महिलाओं की भूमिका और स्थिति

- वैदिक काल एक जनजातीय समाज था व ग्रामीण जीवन जीता। यहाँ महिलाओं की स्थिति अच्छी थी।
- महिलाओं के जन्म को बुरा नही माना जाता था।
- शिक्षा ग्रहण करने का अधिकार तथा अपाला जैसी विदुषी महिला थी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

• लड़की का विवाह भी रजो अवस्था प्राप्त करने के बाद।
• यज्ञ में बराबर से बैठने का अधिकार (ऋग्वेद)
• सभा, समिति में उन्हें स्थान प्राप्त

उत्तर वैदिक काल में

• चूँकि ये स्थायी जीवन जीने लगे तथा कृषि मुख्य व्यवसाय बनने लगी। तो जैसा कृषक समाज में होता है कि महिलाओं की स्थिति निम्न हो जाती है।
• अब महिला जन्म को दुःख का कारण माने जाने लगा (ऐतरेय ब्राह्मण)
• वर्ण व्यवस्था कठोर व जन्म के आधार पर होने के कारण कि महिला अन्तर वर्णीय विवाह न करे तो उस पर कठोरता लादी गयी।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

- सभा समिति का महत्व कम होने के कारण महिला का स्थान वर्जित।
- उपनयन संस्कार भी बंद।

अतः वैदिक काल से आकर उत्तर वैदिक काल मे महिला की स्थिति निम्न होती गयी। फिर आगे सूत्रकाल मे यह और भी खराब हो गयी जब कठोर जाति व्यवस्था का पालन किया गया। मनुसंहिता मे प्रतिलोम विवाह रोकने के लिए यह और कठोर कर दी गयी।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

16. सोवियत संघ के पतन के कारणों पर प्रकाश डालिये। साथ ही, चर्चा कीजिये कि इसने क्षेत्र के राजनीतिक परिदृश्य को कैसे परिवर्तित किया। (250 शब्द) 15

Highlight the factors leading to the collapse of the Soviet Union. Also, discuss how it changed the political landscape of the region. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लि[खना] चाहिये। (Candidate must [not] write on this mar[gin])

द्वितीय विश्वयुद्ध के अंत के साथ दुनिया शीत युद्ध मे प्रवेश कर गयी। एक तरफ अमेरिका के नेतृत्व मे पूंजीवादी देश थे तो दूसरी तरफ सोवियत संघ के नेतृत्व मे साम्यवादी देश।

सोवियत संघ के पतन के कारण

- तात्कालिक कारण मे देखे तो गोर्बाच्योव द्वारा अपनायी गयी पेरेस्त्रोइका ग्लासनोइका की नीति। जिसमें राजनीति व आर्थिक दोनो मे क्षेत्र मे उदारीकरण किया गया जिससे सोवियत राज्य स्वतंत्र होने लगे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सोवियत संघ = 15 राष्ट्र

रूस, यूक्रेन, बेलारूस, एस्टोनिया, लाटविया, लिथुआनिया, रोमानिया, युगोस्लोवाकिया, अर्मेनिया, अजरबैजान, जार्जिया तथा मध्य एशिया के पांच राष्ट्र → ये सब बिखर गए

- आर्थिक कारण → में इसकी समाजवाद की नीति थी जिसने लोगो को हर चीज के लिए राष्ट्र पर निर्भर बना दिया। प्रतिस्पर्धा खत्म होने के कारण तकनीक का भी विकास नहीं हुआ। साम्यवादी उद्योग अमेरिका या पूंजीवादी देशों से लगातार पिछड़ते गए। यह मुख्य कारण भी था।
- जातीय कारण → सोवियत संघ कई जातीय जैसे मुस्लिम, ईसाई, मध्य एशियाई से बना था तो इसमें स्वतंत्रता की मांग।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

इसके अलावा अमेरिका ने पश्चिमी बर्लिन का बहुत विकास किया और पूर्वी बर्लिन में एक आक्रोश, अमेरिका ने मार्शल प्लान लागू करके अपना प्रभाव बढ़ाया। गोर्बाचोव की नीति भी इसके लिए जिम्मेदार। चीन जैसे राष्ट्र अमेरिका के गुट में आ गए।

राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित

- अमेरिका एक ध्रुवीय शक्ति के रूप में उदय
- उदारवाद / पूंजीवाद की विजय (जिसे फुकियामा ने इतिहास का अंत कहा)
- नवीन राष्ट्रों का उदय (लिथुआनिया यूक्रेन आदि)
- बाल्कन समस्या जाग्रत
- स्थानीय संघर्ष तेज (कोसोवो समस्या)
- नाटो का विस्तार (एस्टोनिया जैसे देश सदस्य)

अतः इसने एक नवशीतोत्तर युद्ध का मार्ग भी प्रशस्त किया एवं चीन के आक्रामक उदय ने दुनिया का ध्यान खींचा।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

17. सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषताओं पर प्रकाश डालिये। वर्तमान संदर्भ के साथ इसकी स्पष्ट समानताओं को इंगित कीजिये। (250 शब्द) 15

Highlight the distinctive features of the Indus Valley Civilization. Point out the similarities in the present context. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सिंधु घाटी सभ्यता (2600 BC - 1900 BC) उत्तम नगरीय सभ्यता का उदाहरण है या मेसोपोटामिया की सभ्यता से श्रेष्ठ व वर्तमान समय मे अपनी विरासत को बनाए रखे है -

सिंधु घाटी सभ्यता की विशेषता

⇒ (नगरीय नियोजन) →

- समकोण पर रास्तो व घरों का निर्माण (मोहनजोदड़ो)
- बेहतर जलप्रबंधन व निकासी प्रणाली (धोलावीरा गुजरात)
- पक्की ईंटो का प्रयोग
- विशाल स्नानाघर (मोहनजोदड़ो)
- नगर दो जगह विभाजित दुर्ग ऊँचे स्थान पर तथा नगर नीचे
- अन्नाघर अर्थात भण्डारगृह की व्यवस्था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

⇒ **ज्यामितीय का ज्ञान // तकनीक**

- रोड का समकोण पर बनना
- ईंटो का 4:2:1 में मिलना
- पहले रास्तो का निर्माण फिर घर का वो भी विशेष कोण व दिशाओ मे।
- कांस्य मूर्ति मे मोम तकनीक का प्रयोग (नर्तकी)
- कांस्य का निर्माण (ताँबे + टिन)

⇒ **धर्म का प्रभाव**

- मातृदेवी पूजा
- नागपूजा, वृक्ष पूजा
- ताबीज का मिलना जीववाद की ओर संकेत

⇒ मृद्भाण्ड, मूर्तिकला व आभूषण का निर्माण

- मृद्भाण्ड → कच्चे मिट्टी को पकाकर उनका प्रयोग देवी देवताओं व खिलौनो में
- मूर्तिकला → दाढ़ी वाला साधु व कांस्य नर्तकी महिला
- आभूषण → मनका (सेलखड़ी से निर्मित)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

=> जौं, गेहूँ, सरसो एवं चावल (राजस्थान, गुजरात) का प्रयोग
=> मोहरों का निर्माण (लिपि व चित्र उकेरे)

वर्तमान संदर्भ में स्पष्ट समानता

- नगर नियोजन मे आज भी रास्तों का निर्माण पहले और घर निर्माण बाद मे अच्छा माना जाता
- मूर्तिकला का आज भी प्रयोग (कांस्य की)
- धर्म मे मातृदेवी पूजा, वृक्ष पूजा, नागपूजा का प्रभाव
- सौंदर्य मे काजल, लिपिस्टिक का आज भी प्रयोग
- चक्का, नौव बनाने की तकनीक का आज भी प्रयोग
- फसलों (गेहूँ, जौ, चावल) आज भी महत्वपूर्ण

अतः हमारी सभ्यताओ मे एक गतिशीलता है जो सिंधु घाटी सभ्यता को आज भी जीवंत बनाए हुए है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

18. विश्वभर में उपनिवेशवाद विरोधी आंदोलनों और राष्ट्रीय मुक्ति संघर्षों पर रूसी क्रांति के प्रभाव की विवेचना कीजिये। (250 शब्द) 15

Analyze the influence of the Russian Revolution on anti-colonial movements and national liberation struggles across the globe. (250 words) 15

उम्मीदवार को इ... हाशिये में नहीं ... चाहिये।

(Candidate mus... write on this ma...

प्रथम विश्वयुद्ध के समय 1917 मे घटित रूसी क्रांति दुनिया मे साम्यवाद के प्रभाव का द्योतक है। इसने सामाजिक व आर्थिक स्वतंत्रता को प्रमुख मुद्दो मे ला दिया।

रूसी क्रांति के प्रभाव

- लेनिन की सफलता ने यूरोप मे साम्यवाद के संघर्ष व स्थापना का मार्ग प्रशस्त किया।
- उसका उपनिवेशवाद को लेकर विचार जिसमें उसने साम्राज्यवाद को पूंजीवाद का चरम विकास कहा एवं यहाँ क्रांति के घटित होने का मार्ग प्रदान किया।
- कम्युनिस्ट इण्टरनेशनल की स्थापना और उपनिवेशों मे समाजवाद का प्रभाव।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

(भारत पर प्रभाव) → भारत मे साम्यवादी पार्टी की स्थापना। एम एन रॉय, नलिनी सेनगुप्ता जैसे विचारकों का प्रभाव बढ़ा। कांग्रेस का लक्ष्य राजनीतिक के साथ आर्थिक व सामाजिक हो गया जैसा फैजपुर अधिवेशन मे दिखा जिसकी अध्यक्षता नेहरू जी कर रहे थे।

भारत में श्रमिकों के आंदोलन की शुरुआत तथा कांग्रेस के आंदोलन मे निम्न वर्गों, श्रमिकों, किसानों का प्रतिनिधित्व बढ़ा। (असहयोग आंदोलन मे)

(दक्षिणी अमेरिका पर प्रभाव) → क्यूबा, अर्जेंटीना, बोलीविया मे समाजवादी राज्य की स्थापना। साइमन बोलिवर का विद्रोह तथा क्यूबा का अमेरिका अर्थात् पूंजीवादी प्रभाव के प्रति उग्र प्रतिक्रिया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mus
write on this m

(दक्षिणी पूर्व एशिया) → वियतनाम युद्ध की शुरुआत व वियतनाम की स्वतंत्रता

- कम्बोडिया, कम्बोडिया पर समाजवादी प्रभाव व स्वतंत्र

(चीन) → 1949 की साम्यवादी क्रांति का होना व माओ जैसे नेता का विकास।

(अफ्रीका) → समानता की मांग के साथ तथा पूंजीवादी शोषण के खिलाफ मिस्र, घाना, साउथ अफ्रीका, केन्या का ब्रिटिशों के प्रति विद्रोह फिर अल्जीरिया ने फ्रांस से स्वतंत्रता की मांग

अतः रूसी क्रांति का प्रभाव अवश्य था परंतु इसके साथ-2 ही वहाँ के स्थानीय नेतृत्व व आकांक्षाओं का भी महत्व था।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

19. मुगलकालीन चित्रकला ने किस प्रकार भारतीय कला की समृद्ध चित्रयवनिका (टेपेस्ट्री) में योगदान दिया? इसकी विशिष्टताएँ क्या थीं? विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिये। (250 शब्द) 15

How did the Mughal school of painting contribute to the rich tapestry of Indian art? What were its distinctive features? Elaborate. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

मुगलकाल मे अकबर व जहाँगीर का काल चित्रकला के लिए सुनहरा समय रहा। जहाँगीर की व्यक्तिगत रुचि व मुगलकाल के वैभव ने इसे समृद्ध किया एवं भारतीय कला को समृद्ध किया।

भारतीय कला की टेपेस्ट्री मे योगदान

- जहाँगीर के पोर्ट्रेट चित्रण ने आगे तैल चित्रण का आधार रखा। राजा रवि वर्मा जैसे चित्रकार ने पोर्ट्रेट व तैल चित्रण का बढ़िया प्रयोग किया।
- मुगलकाल मे जहाँगीर के समय प्रकृति के चित्रण ने भारतीय कला को प्रकृति के नजदीक लाया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इ
हाशिये में नहीं
चाहिये।
(Candidate mu
write on this m

- इससे चली आ रही पाण्डुलिपि चित्रण व पत्तों, कपड़ो पर चित्र बनाने की परंपरा को बदला तथा एक बड़े चित्र बनाने व कागज पर बनाने का मार्ग प्रदान किया।

- इसके कारण अनेक क्षेत्रीय कलाओं का विकास हुआ। जब इसका (मुगल काल) का पतन हुआ तो अनेक चित्रकार अन्य क्षेत्रों मे गए।
तो कांगड़ा शैली जैसी कला का विकास

मुगल कला की विशेषताएँ

- हुमायुं के समय अब्दुस समद जैसे चित्रकारो ने तैमूरिया चित्रण का निर्माण किया। जिसमे उसके तैमूर वंश के चित्रण को बनाया गया। इसमे उन्हें तैमूर वंश से क्रम से बैठे दिखाया गया है

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

~~जहाँगीर के~~

- अकबर के समय दशवंत जैसे चित्रकार थे। इसने हम्जानामा का निर्माण करवाया। राज्य के वैभव को व राजदरबार का चित्रण।
- जहाँगीर ने पोर्ट्रेट चित्रण का आरंभ करवाया व पाण्डुलिपि चित्रण को कम किया।
- इसने तोता, जेबरा, प्रकृति का चित्रण किया।
- वैभव के कारण सोने के बार्डर लाइन का प्रयोग
- एक चित्र मे ईरान के शासक और मुगलशासक बगल मे बैठे दिखाए गए है।

अत: मुगलकाल मे भारतीय चित्रकला मे समृद्धि आयी तथा आगे आधुनिक चित्रकला का मार्ग प्रदान किया।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

20. शीत युद्ध संघर्ष को आकार देने में संयुक्त राज्य अमेरिका और सोवियत संघ के बीच वैचारिक मतभेदों की भूमिका का मूल्यांकन कीजिये। (250 शब्द) 15

Evaluate the role of ideological differences between the United States and the Soviet Union in shaping the Cold War conflict. (250 words) 15

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के साथ शीतयुद्ध का प्रारंभ हुआ। यह वैचारिक मतभेदो पर आधारित था यथा पूंजीवाद बनाम साम्यवाद। परंतु अन्य कारण भी उत्तरदायी थे।

वैचारिक मतभेद →

- रूस मे साम्यवादी क्रांति के पश्चात ही समाजवाद का प्रभाव बढ़ रहा था। पूंजीवाद देश इसको अपने लिये खतरा मानते थे।
- द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद अमेरिका को लग रहा था कही सोवियत रूस साम्यवाद के प्रभाव को बढ़ाकर दुनिया को

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उसके पक्ष में न चले। इसीलिए अमेरिका ने नाटो बनाया। तो सोवियत संघ ने वारसा

- समाजवाद में राज्य का नियंत्रण सम्पत्ति पर होता है तो अमेरिका ऐसे में पूंजीवाद का विनाश देख रहा था जहाँ सम्पत्ति स्वतंत्र होती है।

परंतु सूक्ष्म अवलोकन से ज्ञात होता है अन्य कारक भी इसके लिए उत्तरदायी थे।

- (बाजार की जरूरत) → नवीन राष्ट्र विश्व पटल पर आ रहे थे अगर पूंजीवाद का प्रभाव बढ़ता तो सोवियत दल का प्रभाव घट जाता तथा उसका बाजार सीमित हो जाता। यही विचार अमेरिका के थे। (vice-versa)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को हाशिये में नहीं ... चाहिये।
(Candidate mu... write on this m...)

- **संसाधन / कच्चा माल / तेल** →

अफ्रीका, एशिया संसाधनों व कच्चे माल में धनी है यथा सोना, चांदी, बॉक्साइट, आदि में ऐसे में अगर अमेरिका का प्रभाव इन पर बढ़ता तो सोवियत संघ पीछे छूट जाता।

- यूएन में वोटिंग की जरूरत तथा नए राष्ट्रों का साथ जरूरी
- पारस्परिक अविश्वास < अमेरिका / सोवियत रूस में
- परमाणु युद्ध ने सोवियत रूस को भयभीत कर दिया (हिरोशिमा/नागासाकी हमला ने)

अतः एक तरफ विचारधारा प्रसार थी परंतु उससे ज्यादा दोनों राष्ट्रों के आपसी हित ज्यादा टकरा रहे थे।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work

(रफ कार्य के लिये स्थान)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Space for Rough Work
(रफ कार्य के लिये स्थान)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation